Bundelkhand Journal of Academic Research

वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में फिनटेक की भूमिका का अध्ययन

(चित्रकूट जिले के विशेष संदर्भ में)

राम लखन[1] डॉ. गजेन्द्र सिंह 'मधुसूदन'[2]

1. **शोधार्थी (एमए अर्थशास्त्र),** गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश।
2. **असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र),** गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश।

(**Corresponding Author:** potteras9125@gmail.com)

https://doi.org/10.5281/zenodo.21316892

सारांश

फिनटेक का आशय तकनीक और इंटरनेट का उपयोग कर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विकास एवं जनोपयोगी पहुंच को प्रोत्साहित करने से है। यह तकनीक, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और डेटा एनालिटिक्स का अभिनव उपयोग है जिससे बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को वित्तीय उत्पाद और सेवाएँ प्रदान की जा सकती हैं। इसमें बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने में प्रयुक्त तकनीकों और अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई), तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस), मोबाइल वॉलेट, प्रीपेड भुगतान उपकरण, त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड, क्राउडफंडिंग, पीयर–टू–पीयर लेंडिंग, रोबो–एडवाइजरी सेवाएँ, ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि शामिल हैं। फिनटेक वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में मोबाइल–आधारित भुगतान, डिजिटल क्रेडिट और ब्लॉकचेन आधारित समाधानों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को सस्ती और सुगम वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है। यह नवाचार वित्तीय साक्षरता बढ़ाता है और समावेशी व पोषणीय वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देता है। हालांकि, सूचना गोपनीयता और नियामक ढांचे जैसे मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है ताकि फिनटेक के लाभों को अधिकतम किया जा सके और समग्र वित्तीय परिदृश्य को अधिक समावेशी बनाया जा सके। प्रस्तुत अध्ययन में बताया गया है कि कैसे फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) लोगों को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने में मदद कर रही है। अध्ययन का उद्देश्य चित्रकूट में वित्तीय समावेशन पर फिनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं की भूमिका का आकलन करना है। अध्ययन में फिनटेक सेवाओं की पहुँच, सामर्थ्य, उपयोगिता की जाँच और वित्तीय समावेशन में मौजूदा कमियों को पाटने में उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। यह अध्ययन प्राथमिक आँकड़ों पर आधारित है।

आलेख सूचना			
	प्राप्त: 30 अगस्त, 2025	**स्वीकृत:** 17 सितम्बर, 2025	**प्रकाशित:** 30 सितम्बर, 2025
	सारणी: 18	**चित्र एवं ग्राफ:** 00	**स्रोत एवं संदर्भ:** 25
	मुख्य शब्द: फिनटेक, वित्तीय समावेशन, वित्तीय पहुंच, वित्तीय सेवाएं, डिजिटल साक्षरता।		

परिचय एवं पृष्ठभूमिः वित्तीय समावेशन का आशय व्यक्तियों और व्यवसायों को उपयोगी व किफ़ायती वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने से है ताकि उनकी लेनदेन, भुगतान, बचत, ऋण और बीमा की ज़रूरतें ज़िम्मेदारी और टिकाऊ तरीके से पूरी हो सकें। बहुआयामी प्रगति के बावजूद, वित्तीय समावेशन की चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनमें वित्तीय संस्थानों की उपस्थिति एक बड़ी बाधा है। विकासशील देशों में हाशिए के समूहों का कल्याण बढ़ाने के लिए इन मुद्दों का समाधान ज़रूरी है। वित्तीय प्रौद्योगिकी समाज के विभिन्न वर्गों तक वित्तीय सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। फिनटेक कंपनियों द्वारा विकसित मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, पारंपरिक बैंकिंग बाधाओं को तोड़कर, कम सेवा वाले समुदायों तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाते हैं। फिनटेक समाधानों के माध्यम से वित्तीय सेवाओं की लागत कम होती है, जिससे वे व्यापक आबादी के लिए अधिक किफायती

और सुलभ हो जाती हैं। मोबाइल बैंकिंग, पीयर–टू–पीयर ऋण और ब्लॉकचेन–आधारित समाधानों जैसे अभिनव वित्तीय उत्पादों के माध्यम से, फिनटेक वित्तीय सेवाओं के अनुभव को फिर से परिभाषित करता है। फिनटेक प्लेटफार्मों और उपकरणों के साथ इंटरैक्ट करने से लोगों को वित्तीय निर्णय लेने और अपने रुपए को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के बारे में शिक्षित होने में मदद मिलती है, जिससे उनकी वित्तीय साक्षरता बढ़ती है। वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक बेहतर पहुंच व्यक्तियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में भाग लेने और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में सक्षम कर सशक्त बनाती है। फिनटेक नवाचार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटते हैं, जिससे उन लोगों को भी समावेशी वित्तीय सेवाएं मिल पाती हैं, जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। भारत में यूपीआई जैसे फिनटेक समाधानों ने भारत में वित्तीय क्रांति ला दी है, जो बैंक खातों के बीच धन हस्तांतरण को आसान बनाता है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है।

फिनटेक 'वित्तीय' और 'प्रौद्योगिकी' शब्दों का संयोजन है, जिसे वित्तीय प्रौद्योगिकी भी कहा जाता है। फिनटेक वर्ष 2008–09 के वित्तीय संकट के दौरान उभरा और तब से बाज़ार में नई तकनीकों के आगमन के माध्यम से वित्तीय सेवा क्षेत्र में क्रांति ला दी है। प्रौद्योगिकी आधारित बैंकिंग आधुनिक बैंकिंग विकास की नींव रखने वाला प्रमुख स्तंभ है। भारत में पिछले एक दशक में, पहले से वंचित क्षेत्रों और समुदायों में मोबाइल नेटवर्क के तेज़ी से विस्तार ने वित्तीय समावेशन की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिनटेक क्षेत्र के विकास को आकार देने में उचित नीतिगत पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नीतिगत पहलों का लक्ष्य नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना, वित्तीय सेवाओं की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना है। भारतीय रिजर्व बैंक की कई नीतिगत पहलों जैसे भुगतान बैंक (2014), एकाउंट एग्रीगेटर (2016), प्री–पेड इंस्ट्रूमेंट्स (2017), पीयर–टू–पीयर ऋण (2017), इनवॉयस डिस्काउंटिंग (व्यापार प्राप्य एवं छूट प्रणाली टीआरईडीएस, 2018) और डिजिटल उधार दिशानिर्देश (2022, 2023) आदि ने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के अतिरिक्त विकल्प प्रदान किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप परिचालन दक्षता में वृद्धि हुई है और ग्रामीण व अर्ध–शहरी क्षेत्रों में ग्राहकों की सेवा के लिए खर्च कम हुआ है। उल्लेखनीय है कि एकाउंट एग्रीगेटर्स के माध्यम से सहमति–आधारित जानकारी साझा करने की संचयी संख्या जुलाई 2023 में 15.65 मिलियन तक पहुंच गई है। बीमा, पूंजी बाजार और पेंशन फंड इकाइयों के एकाउंट एग्रीगेटर ढांचे में शामिल होने से इसे काफी प्रोत्साहन मिल रहा है। भारत, जो दुनिया का सातवाँ सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा भौगोलिक देश है, वह अब चीन को पीछे छोड़कर दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश बन चुका है, जिसकी 1.4 अरब से ज़्यादा की आबादी 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों, 6,60,000 गाँवों और 806 ज़िलों में फैली हुई है। भारत सरकार वित्तीय समावेशन पर ज़ोर देकर प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई), मुद्रा योजना जैसी रणनीतियों को लागू कर रही है और भुगतान अवसंरचना विकास निधि (पीआईडीएफ) योजना के तहत ज़मीनी स्तर पर डिजिटल भुगतान अवसंरचना को मज़बूत बनाती है। इन प्रयासों के बावजूद, एक बड़ा जनसांख्यिकीय समूह बैंकिंग सेवाओं से वंचित है।

साहित्य की समीक्षाः वर्तमान शोध के लिए, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं, शोध लेखों, पुस्तकों, कार्यपत्रों और प्रासंगिक स्रोतों की समीक्षा की गई है। गरीबी उन्मूलन और सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय समावेशन आवश्यक है। तेजी से विकसित वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) ने वित्तीय सेवाओं को अधिक सुविधाजनक और कुशल बनाया है। विश्व बैंक की ग्लोबल फाइंडेक्स रिपोर्ट, 2017 के आंकड़ों पर आधारित एक अध्ययन ने पाया कि 144 देशों में फिनटेक और वित्तीय समावेशन के बीच एक मजबूत संबंध है। परिणामों ने दिखाया कि अकेले महिलाओं और पूरी आबादी के बीच फिनटेक व वित्तीय समावेशन का मजबूत संबंध है। ऊंची आय वाले देश अधिक समावेशी थे, लेकिन कम आय वाले देश वित्तीय रूप से अधिक वंचित थे (Babar, 2023)। फिनटेक डिजिटल वित्तीय समावेशन में सहायक है, लेकिन अकेले फिनटेक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में लैंगिक भेद को कम नहीं कर सकता है (Dyna Heng, 2022)।

वित्तीय समावेशन में वित्तीय प्रौद्योगिकी का योगदान डिजिटल भुगतान, मोबाइल मुद्रा और पीयर–टू–पीयर लेंडिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान देता है। फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं तक पहुंच को बदल दिया है, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में, विश्व बैंक के ग्लोबल फाइंडेक्स डेटाबेस और आईएमएफ वित्तीय रिपोर्ट जैसे अध्ययन वित्तीय समावेशन पर फिनटेक के लाभों को बढ़ाने और इसे लागू करने के लिए नीतिगत उपायों की सिफारिश करते हैं (Kampani, 2024)। दुनिया में लगभग 1.4 बिलियन लोग लैंगिक असमानता, सामाजिक–आर्थिक स्थिति और भौगोलिक दूरी के कारण बैंकिंग सुविधा से वंचित हैं। फिनटेक डिजिटल भुगतान, पीयर–टू–पीयर लेंडिंग, ब्लॉकचेन

समाधान और मोबाइल बैंकिंग प्रदान करता है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन, आर्थिक विकास और एक समावेशी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनानी चाहिए (A. Adelaja, 2024)। माइक्रोफाइनेंस प्लेटफॉर्म, पीयर–टू–पीयर लेंडिंग, डिजिटल भुगतान और मोबाइल बैंकिंग जैसे फिनटेक विकल्प सफलतापूर्वक बिना बैंक वाले और कम बैंक वाले लोगों तक पहुंच गए हैं। यह अध्ययन वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने, लोगों को सशक्त बनाने और आर्थिक क्रांति में फिनटेक के लाभों पर भी चर्चा करता है। हालाँकि, यह डेटा गोपनीयता और नियामक अनुपालन के मुद्दों को भी उठाता है (Dr. Amrik Singh, 2023)।

फिनटेक में लागत को कम करके और वंचितों के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार करके भारत में वित्तीय समावेशन में तेजी लाने की क्षमता है (B. Raj, 2020)। भारत का वित्तीय वातावरण तेजी से बदल रहा है, जिसमें फिनटेक डिजिटलीकरण महत्वपूर्ण है। फिनटेक बैंकिंग क्षेत्र के बदलाव का एक बड़ा उदाहरण भारत सरकार की केंद्रीय सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम डिजिटल इंडिया है। यह शोध पत्र भारत में फिनटेक की भूमिका, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय गेटवे में उसकी भूमिका और फिनटेक के साथ भविष्य में सहयोग पर केंद्रित है। यह भारत में पारंपरिक बैंकिंग तंत्र में बदलाव और फिनटेक के प्रभावों को समझाना चाहता है। पत्र वित्तीय क्षेत्र में फिनटेक की शुरुआत के बाद डिजिटल इंडिया की भूमिका को विश्लेषित करता है (Sanmath, 2018)। भारत, लगभग 1.3 बिलियन लोगों की आबादी और कम बैंकिंग आबादी के कारण फिनटेक के लिए एक तेजी से बढ़ता बाजार है। पिछले पांच वर्षों में हुई तेज वृद्धि ने इस बाजार को एक गेम चेंजर बनाया है। लेख में भारतीय व्यावसायिक वातावरण में वित्तीय प्रौद्योगिकियों के मूल प्रकारों, उनके उद्देश्यों, अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की गई है (P. Krishna Priya, 2019)। पेपर बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचैन और बिग डेटा जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकियों के महत्वपूर्ण प्रभावों पर चर्चा करता है। यह पोर्टफोलियो प्रबंधन, ऋण, रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन, डिजिटल भुगतान, बीमा और रेगटेक जैसे अनुप्रयोगों की खोज करता है और धोखाधड़ी का पता लगाता है। प्रमुख भारतीय बैंकों और वित्तीय सेवा संस्थाओं के अनुभवों की जांच करता है, फिनटेक के पारंपरिक बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्रों पर प्रभाव पर प्रकाश डालता है। फिनटेक का उपयोग ऑनलाइन भुगतान, मोबाइल भुगतान, निधि प्रबंधन और स्टॉक ट्रेडिंग में किया जाता है। अध्ययन के अनुसार, फिनटेक ने भुगतान प्रणाली और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बदल दिया है (Rashmi Dabbeeru, 2021)।

पारंपरिक वित्तीय सेवाएं प्रौद्योगिकी में बदल गई हैं, जिससे भारतीय बैंकिंग और सेवा प्रदाताओं ने ग्राहकों की पहुंच और सेवा वितरण को बढ़ाया है। निवेशकों, नियामकों, भुगतान बैंकों, एनबीएफसी, पारंपरिक बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, ब्रोकिंग और धन प्रबंधन कंपनियों, बीमा कंपनियों और शुद्ध–प्ले फिनटेक ऑपरेटरों ने फिनटेक को अप्रयुक्त बाजार क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों को प्रदान करने में वित्तीय प्रौद्योगिकी का उचित उपयोग करने में रुचि दिखाई है (N. Prakash, 2022)। फिनटेक वित्तीय सेवाओं में डिजिटल नवाचारों, बाजारों और संस्थानों का परिवर्तन शामिल है। फिनटेक उद्यमियों के लिए भारत का पारिस्थितिकी तंत्र निरंतर बदल रहा है, जो नए क्षेत्रों और विदेशी बाजारों की खोज कर रहा है। ई–कॉमर्स और स्मार्टफोन की वृद्धि के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था फिनटेक के अवसरों पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही है (Baporikar, 2021)। भारत, अपने अधिकांश बैंक रहित आबादी के कारण वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिए एक आकर्षक वैश्विक केंद्र है। लेख में भारतीय व्यावसायिक वातावरण में वित्तीय प्रौद्योगिकी के मुख्य प्रकारों, उनकी क्षमताओं, अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की गई है। यह फिनटेक की ग्राहक अनुकूलन क्षमता का मात्रात्मक मूल्यांकन करता है और तकनीकी, आर्थिक और जनसांख्यिकीय कारकों का गुणात्मक विश्लेषण करता है (Silky Sharma, 2022)। भारत में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते हैं। हालांकि, सरकार कम बैंकिंग वाले क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार कर रही है, जिसका उद्देश्य फिनटेक कंपनियों के लिए स्थिर वातावरण बनाना है। एक अध्ययन ने आरबीआई के आंकड़ों के साथ प्रतिगमन और सहसंबंध का उपयोग करते हुए भारत में वित्तीय समावेशन पर फिनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के प्रभाव का विश्लेषण किया। परिणामों से पता चलता है कि फिनटेक व्यवसायों ने, खासकर मध्यम वर्ग के लिए, वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ये निष्कर्ष एक संगठित वित्तीय प्रणाली के लिए काम करने वाले नीति निर्माताओं को मदद करेंगे (M. Asif, 2023)।

विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को प्रदान कर फिनटेक वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है। भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) जैसे डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का विकास इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है (K, 2023)। फिनटेक उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था को बदल रहा है और वैश्विक निवेश आकर्षित कर रहा है। भारत का बाजार सरकारी समर्थन, समावेशी प्रौद्योगिकी और तकनीकी नवाचार से गति प्राप्त कर रहा है। हालांकि, कम लाभप्रदता, उच्च परिचालन खर्च और उच्च ग्राहक अधिग्रहण खर्चों के कारण विकास धीमा हो सकता है। 2022 में 266.56 बिलियन डॉलर का विश्वव्यापी फिनटेक एए सर्विस बाजार, 2023 से 2030 तक 17.5 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है। फिनटेक एए सर्विस कंपनियों ने पारंपरिक वित्तीय संस्थानों को निर्बाध डिजिटल वित्तीय सेवाएं प्रदान की हैं। व्यापार विकास परस्पर संबंधों और वित्तीय बाजारों की विश्वव्यापी पहुंच से होता है (Garg, 2024)। फिनटेक माइक्रोफाइनेंसिंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल वॉलेट और मोबाइल भुगतान जैसे नवाचारों के माध्यम से वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करके वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है। ये प्रौद्योगिकियां लेन–देन की लागत को कम करती हैं, पारदर्शिता बढ़ाती हैं और खुदरा विक्रेताओं को अनौपचारिक से औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में प्रवेश करने की सुविधा देती हैं (D, 2024)।

शोध अंतरालः उपर्युक्त समीक्षाओं के माध्यम से हमने पाया है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं दूरस्थ भौगोलिक क्षेत्रों (जहां बैंक पहुंचने में असमर्थ हैं) तक पहुंचकर वित्तीय समावेशन का कारण बन सकती हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकी बैंकरों और ग्राहकों दोनों के दृष्टिकोण से वित्तीय लेनदेन के समय और लागत को कम करती हैं। जमीनी स्तर पर आबादी को वित्तीय समावेशन की परिधि में लाने के लिए नीति निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता है। सरकारें और वित्तीय संस्थान सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल प्रशिक्षण पहलों में निवेश कर रहे हैं। हालांकि, वित्तीय समावेशन के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग, विशेष रूप से बचत या ऋण के लिए अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा है। कुछ अध्ययनों ने भारतीय आर्थिक परिदृश्य पर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए फिनटेक के प्रभाव का विश्लेषण किया है और मिश्रित परिणाम पाए हैं।

विभिन्न प्रकार के शोधों का आकलन करने के पश्चात यह ज्ञात हुआ है कि शोधकर्ताओं द्वारा समीक्षित साहित्य मे राष्ट्रीय स्तर के अध्ययन शामिल है, परंतु किसी भी राष्ट्रीय अध्ययन मे किसी लघु क्षेत्र का अध्ययन नहीं किया गया है, या फिर फिनटेक सेवाओं को आम तौर पर शहरी बाजारों और तकनीक जनित अध्ययनों पर केंद्रित किया गया है। ग्रामीण आबादी, जिनके पास अलग–अलग वित्तीय व्यवहार और साक्षरता स्तर हो सकते हैं, उसका अध्ययन करने और फिनटेक के वित्तीय समावेशन मे सकारात्मक अथवा नकारात्मक प्रभाव और पहुंच को जानने के लिए जमीनी स्तर पर शोध की आवश्यकता है। इसलिए, हमने चित्रकूट जिले के विशेष संदर्भ में वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में फिनटेक की भूमिका का अध्ययन किया है।

शोध पद्धतिः यह अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। प्राथमिक आंकड़े प्रश्नावाली के माध्यम से चित्रकूट जिले के उत्तरदाताओं से संकलित किए गए हैं, जबकि द्वितीयक आँकडे मुख्यतः भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत सरकार की रिपोर्ट, भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति पर रिपोर्ट, समाचार पत्रों, शोध लेखों, शोध पत्रिकाओं, ई–पत्रिकाओं, पुस्तकों और पत्रिकाओं से एकत्रित किए गए हैं।

अध्ययन का औचित्यः पूर्व के शोध निष्कर्षो और उद्देश्यों का आकलन करने के पश्चात यह ज्ञात हुआ कि ग्रामीण आबादी डिजिटल प्रणालियों के अविश्वास, प्रौद्योगिकी से अपरिचितता या धोखाधड़ी के डर के कारण फिनटेक सेवाओं को अपनाने के लिए प्रतिरोध प्रदर्शित कर सकती है। यह चित्रकूट जैसे महत्वाकांक्षी और अल्पविकसित क्षेत्र में व्यवहार विशिष्ट बाधाओं और उन्हें दूर करने के तरीके पर प्रकाश डाल सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय और डिजिटल साक्षरता का महत्व अक्सर अनदेखा किया जाता है। वित्तीय समावेशन के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने के लिए फिनटेक सेवाओं का पर्याप्त ज्ञान आवश्यक है। ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं (जैसे कृषि लेनदेन, छोटे व्यवसाय और सूक्ष्म ऋण प्रणालियाँ) पर फिनटेक के प्रभाव पर बहुत कम स्थानीय अध्ययनों ने ध्यान दिया है। सामाजिक पदानुक्रम और लैंगिक मानदंड ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को प्रभावित करते हैं। शोध का औचित्य यह समझना है कि फिनटेक कैसे इन असमानताओं को दूर कर सकता है और हाशिए के समूहों को वित्तीय रूप से समावेशित कर सकता है।

अध्ययन के उद्देश्यः 'वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में फिनटेक की भूमिका' के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि फिनटेक आने के पश्चात मानव जीवन पर उनके वित्तीय समावेशन की प्रक्रियाओं मे क्या प्रभाव पड़ा है, क्या फिनटेक ने उनके जीवन को आसान बनाया या नहीं। क्या फिनटेक ने सुविधा और सुगमता के साथ साथ सुरक्षा क्षेत्रों मे भी संतुष्टि प्रदान की है अन्यथा नहीं। इस संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैः

1. वित्तीय समावेशन में फिनटेक की भूमिका को समझना।
2. वित्तीय लेनदेन और व्यवसाय पर फिनटेक के प्रभाव का आकलन करना।
3. ग्रामीण आबादी मे फिनटेक से जुडी वित्तीय आदतों को समझना।
4. वित्तीय लेनदेन में फिनटेक की सुरक्षा के प्रति जागरूकता को समझना।

उपर्युक्त उद्देश्यों से यह जानने का प्रयास किया गया है कि क्या फिनटेक ने नगरों एवं महानगरों की चकाचौंध एवं नए आधुनिक परिवेश में ग्रामीण आबादी को भी वित्तीय समावेशन में उनके वित्तीय व्यवहारों को अधिक सुगम एवं प्रभावशाली बनाया है या नहीं?

अध्ययन का क्षेत्रः प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले पर आधारित है। इस शोध मे चित्रकूट जिले के गाँव व कस्बों की आबादी पर उनके वित्तीय लेनदेन की प्रक्रियाओं मे वित्तीय समावेशन के कारण होने वाले प्रभावों का अवलोकन किया गया है। इसके लिए आंकड़ों को प्रश्नावाली द्वारा उत्तरदाताओं से भरवाकर संकलित किया गया है। आंकड़ों के संकलन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमि के 40 उत्तरदाताओं का चयन किया गया है। प्रस्तुत शोध का विश्लेषण जिले के 40 उत्तरदाताओं पर आधारित है।

आंकड़ों का विश्लेषणः प्रस्तुत अध्ययन में चित्रकूट जिले 40 उत्तरदाताओं द्वारा प्रदत्त सूचानाओं से वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में फिनटेक की भूमिका का विश्लेषण किया गया है।

सारणी-1: उत्तरदाताओं का आयु वर्ग			**सारणी-2: उत्तरदाताओं की शैक्षिक स्थिति**		
आयु वर्ग	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	शैक्षिक स्थिति	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
25 वर्ष से कम	16	40	जूनियर स्तर तक	14	35
25 – 35 वर्ष	14	35	इंटरमीडिएट स्तर तक	10	25
35 – 50 वर्ष	10	25	ग्रेजुएट या अधिक	16	40
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–1 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के आयु वर्ग को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40 उत्तरदाताओं मे 40 प्रतिशत फिनटेक उपयोगकर्ता 25 वर्ष से कम आयु के हैं, 35 प्रतिशत उपयोगकर्ता 25 से 35 वर्ष के मध्य और 25 प्रतिशत उपयोगकर्ता 35 से 50 वर्ष के बीच हैं। स्पष्ट है कि फिनटेक सेवाओं की लोकप्रियता युवाओं मे काफी अधिक है। सारणी–2 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वालों की शैक्षिक स्थिति को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वे में सम्मिलित 40 उत्तरदाताओं मे 35 प्रतिशत उपयोगकर्ता जूनियर लेवल तक शिक्षित हैं, 25 प्रतिशत उपयोगकर्ता इन्टरमीडिएट तक और 40 प्रतिशत उपयोगकर्ता ग्रेजुएट या उससे अधिक शिक्षित हैं।

सारणी-3: उत्तरदाताओं का आय वर्ग			**सारणी-4: उत्तरदाताओं की फिनटेक सेवाएं**		
आय वर्ग	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	फिनटेक सेवाएं	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
1 लाख से कम	29	72.5	ऑनलाइन बैंकिंग	08	20
1 से 2.5 लाख	05	12.5	डिजिटल भुगतान	28	70
2.5 से 5 लाख तक	04	10.0	क्रिप्टोकरन्सी	00	00
5 लाख से अधिक	02	5.0	पी-टू–पी उधार	04	10
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–3 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के वार्षिक आय को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40 उत्तरदाताओं मे 72.5 प्रतिशत की वार्षिक आय 1 लाख से कम है, 12.5 प्रतिशत 1 से 2.5 लाख तक वार्षिक आय के उपयोगकर्ता, 10 प्रतिशत की वार्षिक आय 2.5 से 5 लाख तक और 5 प्रतिशत की वार्षिक आय 5 लाख से अधिक है। इस तरह, कम आय वर्ग में फिनटेक सेवाएं अधिक प्रचलित हैं। सारणी–4 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक सेवाओं के विवरण को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40

उत्तरदाताओं मे 20 प्रतिशत ऑनलाइन बैंकिंग का, 70 प्रतिशत डिजिटल भुगतान का और 10 प्रतिशत पी–टूदूपी उधार का उपयोग करते हैं। हालांकि, चयनित उत्तरदाताओं मे कोई भी क्रिप्टोकरंसी गतिविधि के लिए फिनटेक सेवा का उपयोग नहीं करता है। स्पष्ट है कि फिनटेक सेवाओं में डिजिटल भुगतान सर्वाधिक प्रचलित है।

सारणी-5: वित्तीय एप्पस का उपयोग			सारणी-6: फिनटेक सेवाओं के उपयोग के कारण		
आवृत्ति	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
दिन मे एक बार	06	15.0	सुविधा और सुगमता	**22**	**55.0**
दिन मे एक से अधिक बार	23	57.5	समय और लागत बचत	**08**	**20.0**
सप्ताह मे कुछ बार	06	15.0	अधिक विकल्पों तक पहुच	**07**	**17.5**
कभीकभार-	05	12.5	सुरक्षा या अन्य	**03**	**7.5**
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–5 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के वित्तीय एप्पस के उपयोग की आवृत्ति को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40 उत्तरदाताओं मे 57.5 प्रतिशत दिन मे एक से अधिक बार, 15 प्रतिशत दिन मे एक बार, 15 प्रतिशत सप्ताह मे कुछ बार और 12.5 प्रतिशत कभी–कभार वित्तीय एप्पस का उपयोग करते हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं के लिए दिन में एक से अधिक बार वित्तीय एप्पस का उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है। सारणी–6 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक सेवाओं के उपयोग का प्राथमिक कारण दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40 उत्तरदाताओं मे 55 प्रतिशत सुविधा और सुगमता को, 20 प्रतिशत समय और लागत बचत को, 17.5 प्रतिशत अधिक विकल्पों तक पहुच को और 7.5 प्रतिशत सुरक्षा या अन्य को फिनटेक सेवाओं के उपयोग का प्राथमिक कारण मानते हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं का उपयोग करने वाले अधिकांश उत्तरदाता सुविधा और सुगमता को प्राथमिक कारण मानते हैं।

सारणी-7: फिनटेक सेवाओं के उपयोग के कारण			सारणी-8: भुगतान एप्पस का उपयोग		
विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	एप्पस	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
दैनिक लेनदेन के लिए-	24	60.0	यूपीआई एप्प	16	40.0
निवेश के लिए	03	07.5	फोन पे	09	22.5
ऑनलाइन शॉपिंग के लिए	07	17.5	गूगल पे	08	20.0
सभी के लिए	06	15.0	अन्य	07	17.5
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–7 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के उपयोग के कारण को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि 40 उत्तरदाताओं मे 60 प्रतिशत दैनिक लेन–देन के लिए, 17.5 प्रतिशत ऑनलाइन शॉपिंग के लिए, 15 प्रतिशत सभी के लिए और 7.5 प्रतिशत निवेश के लिए फिनटेक सेवाओं के उपयोग करते हैं। इस तरह, दैनिक लेन–देन के लिए फिनटेक सेवाओं का उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है। सारणी–8 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के भुगतान एप्पस के उपयोग को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि शोध में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 40 प्रतिशत यूपीआई एप्प, 22.5 प्रतिशत फोन पे, 20 प्रतिशत गूगल पे और 17. 5 प्रतिशत अन्य भुगतान एप्पस फिनटेक सेवाओं के उपयोग करते हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं के लिए यूपीआई एप्प का उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी-9: फिनटेक सेवाओं के प्रभाव			सारणी-10: प्राथमिकता या उपयोगिता का स्तर		
प्रभाव	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	उपयोगिता	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
बहुत अधिक	08	20.0	अति महत्वपूर्ण	06	15.0
पर्याप्त	17	42.5	महत्वपूर्ण	16	40.0
कुछ हद तक	10	25.0	मध्यम	13	32.5
कह नहीं सकते	05	12.5	कम महत्वपूर्ण	05	12.5
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–9 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक के कारण वित्तीय लेनदेन और व्यवसाय में सकारात्मक प्रभाव को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 42.5

प्रतिशत ऐसे हैं जिनके दैनिक वित्तीय लेनदेन या फिर व्यवसाय मे फिनटेक की वजह से पर्याप्त सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। 25 प्रतिशत मानते हैं कि फिनटेक की वजह से कुछ हद तक सकारात्मक प्रभाव पड़ा है जबकि 20 प्रतिशत ऐसे हैं, जिनको फिनटेक सेवा ने बहुत अधिक प्रभावित किया है, लेकिन 12.5 प्रतिशत उत्तरदाता फिनटेक सेवा के प्रभाव के बारे में अनिश्चित हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं के दैनिक वित्तीय लेनदेन या व्यवसाय मे सकारात्मक प्रभाव स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी–10 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक के लिए प्राथमिकता के स्तर को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 40 प्रतिशत फिनटेक सेवाओं को महत्वपूर्ण, 32.5 प्रतिशत मध्यम, 15 प्रतिशत अति महत्वपूर्ण और 12.5 प्रतिशत कम महत्वपूर्ण मानते हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं को वित्तीय लेनदेन के लिए महत्वपूर्ण स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी-11: माइक्रो फाइनेंस को प्रोत्साहन			**सारणी-12: वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन**		
विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
हाँ, दिया है।	34	85	हाँ, दिया है।	36	90
नहीं दिया है।	06	15	नहीं दिया है।	04	10
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–11 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक सेवाओं द्वारा माइक्रो फाइनेंस के प्रोत्साहन स्तर को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 85 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं की वजह से माइक्रो फाइनेंस को प्रोत्साहन मिला है, जबकि 15 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं ने माइक्रो फाइनेंस को प्रोत्साहन नहीं दिया है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की वजह से माइक्रो फाइनेंस का प्रोत्साहन स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी–12 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं के फिनटेक सेवाओं द्वारा वित्तीय समावेशन के प्रोत्साहन स्तर को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 90 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं की वजह से वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन मिला है, जबकि 10 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं ने वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन नहीं दिया है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की वजह से वित्तीय समावेशन का प्रोत्साहन स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी-13: फिनटेक से लागत में कमी			**सारणी-14: वित्तीय समावेशन में भूमिका**		
विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
हाँ कमी हुई है।	35	87.5	हाँ	33	82.5
नहीं हुई है।	05	12.5	नहीं	07	17.5
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–13 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उपभोक्ता के समय और बैंकिंग लागत मे कमी को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 87.5 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं की वजह से उपभोक्ता के समय और बैंकिंग लागत मे कमी आई है, जबकि 12.5 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं से उपभोक्ता के समय और बैंकिंग लागत मे कमी नहीं आई है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की वजह से उपभोक्ता के समय और बैंकिंग लागत मे कमी स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी–14 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की राय को वित्तीय समावेशन में फिनटेक सेवाओं की भूमिका के रूप में दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 82.5 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं ने वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जबकि 17.5 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं की वित्तीय समावेशन में भूमिका महत्वपूर्ण नहीं है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी-15: फिनटेक सेवाओं से सुरक्षा			**सारणी-16: फिनटेक सेवाओं से नुकसान**		
विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
सुरक्षित है।	32	80	वित्तीय नुकसान नहीं।	36	90
असुरक्षित है।	08	20	वित्तीय नुकसान हुआ है।	04	10
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–15 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की राय को फिनटेक सेवाओं की सुरक्षा के रूप में दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 80 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवा सुरक्षित है, जबकि 20 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं या तो असुरक्षित या फिर फिनटेक सेवाओं की सुरक्षा को लेकर कुछ भी कह पाने मे असमर्थ हैं। इस तरह, फिनटेक सेवाओं को सुरक्षित स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी–16 में फिनटेक सेवाएं उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की राय को फिनटेक सेवाओं से वित्तीय नुकसान की स्थिति को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 90 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं से उन्हें किसी प्रकार का वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है, जबकि 20 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं से उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं को वित्तीय रूप से सुरक्षित या लाभदायक स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी-17: फिनटेक कंपनियों पर विश्वास			**सारणी-18: फिनटेक से वित्तीय सेवाओं की सुलभता**		
विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत	विकल्प	उत्तरदाता (संख्या)	प्रतिशत
हाँ, भरोसा है।	29	72.5	हाँ, सुलभ बनाया है।	34	85
भरोसा नहीं है।	11	27.5	सुलभ नहीं बनाया है।	06	15
कुल	**40**	**100**	**कुल**	**40**	**100**

सारणी–17 में उत्तरदाताओं के गोपनीयता को लेकर फिनटेक सेवाओं के उपयोगकर्ता का फिनटेक कंपनियों पर भरोसे को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 72.5 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक सेवाओं की प्रदाता कंपनियों की गोपनीयता नीति पर उन्हें पूर्ण विश्वास है, जबकि 27.5 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक सेवाओं की प्रदाता कंपनियों की गोपनीयता नीति पर उन्हें विश्वास नहीं है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की प्रदाता कंपनियों की गोपनीयता नीति पर विश्वास करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है।

सारणी–18 में उत्तरदाताओं द्वारा फिनटेक का वित्तीय सेवाओं को सुलभ बनाने को दर्शाया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण में शामिल 40 उत्तरदाताओं मे 85 प्रतिशत का मानना है कि फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सुलभ एवं प्रभावी बना दिया है, जबकि 15 प्रतिशत का कहना है कि फिनटेक ने वित्तीय सेवाओं को पहले की तुलना में बहुत अधिक सुलभ एवं प्रभावी नहीं बनाया है। इस तरह, फिनटेक सेवाओं की सुलभता को स्वीकार करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है। अतः इससे इस बात का भी पता चलता है कि फिनटेक कंपनियां अपनी सुरक्षा सेवाओं को लेकर प्रभावी कदम उठा रही हैं।

परिणाम एवं परिचर्चा: चूंकि प्रस्तुत शोध ग्रामीण परिवेश में वित्तीय समावेशन बढाने में फिनटेक की भूमिका पर केंद्रित है, इसलिए प्रश्नावाली के माध्यम से संकलित आंकड़ों के विश्लेषण को सरल तालिकाओं की मदद से प्रस्तुत किया गया है, ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी आसानी से विश्लेषण को देखकर शोध के लक्ष्यों एवं महत्व को जान पाए एवं वित्तीय समावेशन मे फिनटेक की भूमिका के प्रभावों का अनुमान लगा सके। आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि फिनटेक ने वित्तीय समावेशन मे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है परंतु फिनटेक कंपनियों द्वारा प्रदत्त सुविधा और सेवाओं ने कितनी प्रभावी भूमिका निभाई, इस पर उत्तरदाताओं के अलग अलग विचार हैं। हर उपयोगकर्ता के पास प्रश्न के अपने अपने जवाब थे। हालांकि, उत्तरदाताओं के उत्तरों को देखकर यह समझ आता है कि बहुत सी सूचनाओं का या तो उत्तरदाताओं को ज्ञान नहीं है या उसके बारे मे उन्हे अधूरा ज्ञान प्राप्त है जिस वजह से उन्हे असुविधा का सामना करना पड़ता है।

विश्लेषण से पता चलता है कि फिनटेक का वित्तीय समावेशन में व्यापक प्रभाव है। यह तकनीक वित्तीय सेवाओं को उन लोगों तक पहुँचाने में मदद करती है, जो पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहे हैं। फिनटेक ने डिजिटल भुगतान को सरल और सुलभ बनाया है, जिससे लोग कैशलेस लेनदेन को अपना रहे हैं। यूपीआई, मोबाइल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग ने ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय पहुँच को बढ़ाया है। फिनटेक कंपनियाँ उन लोगों को ऋण देने में सक्षम हुई हैं, जिन्हें पारंपरिक बैंक ऋण देने से हिचकिचाते हैं। फिनटेक से ग्रामीणों की ऋण और क्रेडिट तक पहुँच बढ़ी है, जिससे छोटे व्यवसायों और व्यक्तिगत ऋण प्राप्तकर्ताओं को सहायता मिलती है। फिनटेक प्लेटफॉर्म छोटे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा करते हैं। ये प्लेटफॉर्म लोगों को अपनी बचत और निवेश को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर रहे हैं। फिनटेक एप्लिकेशन वित्तीय जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं। विभिन्न मोबाइल ऐप्स उपयोगकर्ताओं को बजट बनाने, खर्च प्रबंधन और वित्तीय योजनाएँ बनाने में सहायता करते हैं। फिनटेक सेवाओं की

प्रदाता कंपनियों की गोपनीयता नीति पर विश्वास करने वाले उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी अधिक है अर्थात अधिकांश उपयोगकर्ता फिनटेक कंपनियों के सुरक्षा मानकों से संतुष्ट हैं।

विश्लेषण से पता चलता है कि फिनटेक ने वित्तीय समावेशन को तेज़ किया है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। यद्यपि फिनटेक सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध हैं, लेकिन अभी भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण लोग सेवाओं का पूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। ऑनलाइन वित्तीय लेन–देन में साइबर अपराधों की संभावना बढ़ गई है। हैकिंग, फिशिंग और डेटा चोरी जैसी समस्याएँ उपयोगकर्ताओं को फिनटेक सेवाओं पर पूर्ण विश्वास करने से रोक सकती हैं। चूंकि फिनटेक कंपनियों को विभिन्न प्रकार की नीतियाँ अपनाती है और सुगम शिकायत निवारण प्रणाली उपलब्ध नहीं कराती हैं। इसलिए, कुछ मामलों में पारंपरिक बैंकिंग नियमों के अनुरूप न होने के कारण इन सेवाओं का विस्तार बाधित हो जाता है। फिनटेक आधारित कंपनियां उन लोगों को वित्तीय सहायता और सेवाएँ देती हैं, जिनका बैंकिंग इतिहास होता है। इस कारण से फिनटेक की सार्वभौमिक पहुंच सीमित है। हालांकि, सीमित बैंकिंग इतिहास वाले लोगों तक फिनटेक सुगमता से पहुंच रहा है, जबकि पारंपरिक क्रेडिट स्कोरिंग तंत्र की अनुपस्थिति के कारण बैंकों और निवेशकों को जोखिम महसूस होता है। कुछ उपयोगकर्ता डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं पर भरोसा नहीं करते, विशेष रूप से जो पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली से अधिक परिचित हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, फिनटेक के माध्यम से वित्तीय समावेशन अधिक सुलभ और विस्तारित हुआ है। हालांकि, वित्तीय तकनीकों में सुधार, साइबर सुरक्षा उपायों का सशक्तीकरण, डिजिटल जागरूकता को बढ़ाने आदि से ऐसी बाधाओं को कम किया जा सकता है।

निष्कर्ष एवं सुझावः वित्तीय समावेशन का आशय सार्वभौमिक पहुंच के साथ व्यक्तियों और व्यवसायों को उचित, सुलभ, सुगम, प्रभावी आदि वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने से है, ताकि वे अपनी वित्तीय और आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकें। इस दिशा में फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) ने क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, माइक्रो–क्रेडिट, और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों ने वित्तीय सेवाओं को उन लोगों तक पहुँचाने में मदद की है, जो पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली से वंचित थे। फिनटेक ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए कई सकारात्मक बदलाव किए हैं, लेकिन यह क्षेत्र कुछ चुनौतियों का सामना भी कर रहा है। इन चुनौतियों को समझने और उनसे निपटने के लिए व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

फिनटेक ने डिजिटल भुगतान की पहुँच को विस्तारित कर यूपीआई, मोबाइल वॉलेट और ई–बैंकिंग जैसी सेवाओं ने वित्तीय लेनदेन को सुगम बना दिया है। अब लोग दूरस्थ क्षेत्रों में भी कैशलेस लेन–देन कर रहे हैं। फिनटेक कंपनियाँ ऑल्टरनेटिव डेटा का उपयोग करके उन लोगों को क्रेडिट दे रही हैं, जो पारंपरिक बैंकों से सेवा प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। क्रेडिट सेवाओं की पहुँच विस्तारित होने से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स को बढ़ने में मदद मिली है। फिनटेक आधारित बचत और निवेश प्लेटफॉर्म लोगों को छोटे स्तर पर निवेश करने का अवसर प्रदान करते हैं। परिणामस्वरूप, ऐप्स आदि के माध्यम से लोग स्वचालित रूप से छोटी बचत और निवेश कर रहे हैं। वे अपने आवश्यक क्रय विक्रय फिनटेक के माध्यम से निस्तारित कर रहे हैं। फिनटेक ने सूक्ष्म वित्तीयन और माइक्रोइंश्योरेंस को कम आय वाले लोगों और समाज के सीमान्त समूहों तक पहुंचाया है और उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, फिनटेक कंपनियाँ सरल, तीव्र और सस्ती वित्तीय योजनाएँ पेश कर रही हैं, जिससे वित्तीय सेवाओं का विस्तार बढ़ा है। फिनटेक प्लेटफॉर्म वित्तीय जागरूकता और साक्षरता को बढ़ाने में भी मदद कर रहे हैं। मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन टूल्स लोगों को बजट बनाने, खर्च प्रबंधन, क्रेडिट स्कोर सुधारने आदि में सहायता कर वित्तीय साक्षरता बढ़ा रहे हैं।

हालांकि, डिजिटल सेवाएँ तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन कई लोगों को इंटरनेट और स्मार्टफोन तक पहुँच नहीं है। समाधान के रूप में, सरकारें और निजी कंपनियाँ मिलकर डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चला सकती हैं। और कम लागत वाले इंटरनेट और डिवाइस उपलब्ध करा सकती हैं। फिनटेक सेवाओं के बढ़ने के साथ ही साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। साइबर धोखाधड़ी, डेटा चोरी और वित्तीय फ्रॉड से निपटने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। दो–स्तरीय सत्यापन, एन्क्रिप्शन, और उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रमों से सुरक्षा बढ़ाई जा सकती है। फिनटेक कंपनियों को विभिन्न सरकारी और वित्तीय नियामक संस्थाओं के नियमों का पालन करना होता है। यदि ये नियम अत्यधिक जटिल हों, तो नवाचार की गति धीमी हो सकती है। सरकार को फिनटेक के लिए संतुलित नीतियाँ बनानी चाहिए, जो नवाचार को बढ़ावा दें और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। फिनटेक प्लेटफॉर्म बिना पारंपरिक क्रेडिट

स्कोरिंग सिस्टम के क्रेडिट देते हैं, जिससे बैंकों और निवेशकों को जोखिम होता है। इसके समाधान के रूप में, उन्नत डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग के माध्यम से क्रेडिट योग्यता का बेहतर आकलन किया जा सकता है। कुछ उपयोगकर्ता डिजिटल भुगतान सेवाओं पर विश्वास नहीं करते हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए उपभोक्ताओं को वित्तीय रूप से शिक्षित करना आवश्यक है। वित्तीय जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक सेवाओं के फायदे समझाए जा सकते हैं।

इस तरह, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, सुदूर क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने और स्मार्टफोन उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निवेश को प्रोत्साहित किया जा सकता है। साइबर सुरक्षा उपायों को सख्त बनाने के लिए एन्क्रिप्शन तकनीक और उन्नत साइबर सुरक्षा तंत्र लागू किए जा सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता सुरक्षित रहे। सरकार और फिनटेक कंपनियों को मिलकर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ बनानी चाहिए। वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देने के लिए फिनटेक स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता और अनुकूल नीतियाँ अपनाई जा सकती हैं। फिनटेक ने वित्तीय समावेशन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। डिजिटल भुगतान, ऋण सेवाएँ, बचत और निवेश के अवसरों ने आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को वित्तीय सुगमता प्रदान की है। हालाँकि, इस क्षेत्र में चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, जिनका समाधान डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, साइबर सुरक्षा को बढ़ाना, वित्तीय जागरूकता बढ़ाना और नियामक नीतियों को सुधार कर किया जा सकता है। यदि सही रणनीतियाँ अपनाई जाएँ, तो फिनटेक भविष्य में एक अधिक समावेशी और सशक्त वित्तीय प्रणाली का निर्माण कर सकता है।

कुल मिलाकर, पिछले कुछ वर्षों से भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र में फिनटेक कंपनियों का विस्तार बढ़ रहा है। फिनटेक स्टार्टअप न केवल नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि कई बैंक व वित्तीय संस्थान भी नई तकनीकों की खोज और डिजिटल सेवा वितरण चैनलों में बड़े निवेश कर रहे हैं। अध्ययन ने भारत की बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में फिनटेक क्रांति की क्षमता पर प्रकाश डाला है। वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास ने दिखाया है कि वे सामर्थ्य में सुधार कर सकते हैं, सुलभता की खाई को पाट सकते हैं और वंचित लोगों को अधिक शक्ति प्रदान कर सकते हैं। फिर भी, निरंतर तकनीकी अनुकूलन की आवश्यकता और कठिन नियामक मुद्दों जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। फिनटेक की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए सरकारों, बैंकों और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी।

स्रोत एवं संदर्भः

1. ए. अडेलजा, एस. सी. (2024)। फिनटेक के माध्यम से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ानाः बैंकिंग सेवाओं से वंचित और कम बैंकिंग सेवाओं वाले लोगों के लिए समाधान, वर्ल्ड जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड रिव्यूज़, https://doi.org/10.30574/wjarr.2024.23.2.2379.
2. गर्ग, एन. (2024)। भारत में फिनटेक का गहन विश्लेषणः विकास, अवसर और चुनौतियाँ, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i06.28876.
3. कम्पानी, आर. (2024)। वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में फिनटेक की भूमिका, आईओएसआर जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस। https://doi.org/10.9790/5933-1506014749.
4. शक्तिकांत दास (2023)। फिनटेक और बदलते वित्तीय परिदृश्य, भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन, सितम्बर, 2023, पृष्ठ 1–6। https://www.rbi.org.in/hindi/1Upload/Speeches
5. डॉ. अमरीक सिंह, डी. एल. (2023)। फिनटेक और वित्तीय समावेशनः वित्तीय सेवाओं तक वंचित लोगों की पहुँच में बदलाव। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और होटल प्रबंधन पत्रिका, https://doi.org/10.22271/27069583.2023.v5.i2a.71।
6. एम. आसिफ, एम. एन. (2023)। भारत में वित्तीय समावेशन पर फिनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं का प्रभाव, जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट। https://doi.org/10.3390/jrfm16020122.
7. के, डी. एन. (2023)। भारत में वित्तीय समावेशन में फिनटेक की भूमिका, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.5953.
8. आसिफ, एम, खान, एम. एन, तिवारी, एस., वानी, एस.के. एवं आलम, एफ. (2023)। भारत में वित्तीय समावेशन पर फिनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं का प्रभाव, जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 16(2), 122।
9. सुनीता, आर. एवं सिद्दीक, एम.एम. (2023)। चेन्नई के संदर्भ में फिनटेक और वित्तीय सेवाओं के भविष्य पर एक

अध्ययन, जर्नल ऑफ सर्वे इन फिशरीज साइंसेज, 10(3एस), 6550–6557।

10. डॉ. एस. उमा महेश्वरी (2023)। बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, जर्नल ऑफ सर्वे इन फिशरीज साइंसेज, 10(4एस), 2841–2849।
11. बाबर, एच. (2023)। फिनटेकः वित्तीय समावेशन और महिलाओं के लिए एक समाधान, क्यूईओस, https://doi.org/10.32388/af1eu0.
12. डायना हेंग, वाई. डब्ल्यू. (2022)। फिनटेकः वित्तीय समावेशन या बहिष्करण? आईएमएफ वर्किंग पेपर्स, https://doi.org/10.5089/9798400208645.001.
13. लक्ष्मण के., वेदांत राज, आदि (2023)। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के संदर्भ में फिनटेक कंपनियों के प्रभाव पर एक अध्ययन, जेटीआईआर जनवरी 2023, वाल्यूम–10, अंक–1।
14. एन. प्रकाश, वाई. आई. (2022)। भारत में फिनटेक क्रांति पर एक अध्ययनः एक समीक्षा, आई–मैनेजर जर्नल ऑन मैनेजमेंट। https://doi.org/10.26634/jmgt.17.2.19158.
15. सिल्की शर्मा, एस. एस. (2022)। फिनटेक में प्रौद्योगिकी और नवाचार का अनुप्रयोग और भारत में इसकी अनुकूलनशीलता, 2022, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में नवीन प्रथाओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईपीटीएम)। https://doi.org/10.1109/iciptm54933.2022.9753933.
16. नीलम एवं सोनाली भट्टाचार्य (2022)। वित्तीय समावेशन के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधानः एक समीक्षा एवं भविष्य का एजेंडा, एएबीएफजे वाल्यूम–16, अंक–5, 2022।
17. गोस्वामी, एस, शर्मा, आर. बी एवं चौहान, वी. (2022) । ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन (एफआई) पर वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) का प्रभाव, यूनिवर्सल जर्नल ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, 10(2), 483–497.
18. भारतीय रिज़र्व बैंक (2022)। "फ़िनटेक एंड डिजिटल बैंकिंगः ए स्टडी"। https://www.rbi.org.in/scripts/PublicationsView.aspx?id=19818
19. रश्मि दब्बीरू, डी. एन. (2021)। भारत में बैंकिंग और वित्तीय सेवा उद्योग में फिनटेक अनुप्रयोग, सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क, https://doi.org/10.2139/ssrn.3881967.
20. बापोरिकर, एन. (2021)। भारत में फिनटेक चुनौतियाँ और दृष्टिकोण। https://doi.org/10.4018/978-1-7998-3257-7.ch008.
21. प्रो. किट्टी संदीप राणा (2020)। वित्तीय समावेशन में फिनटेक की भूमिका, इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट, वाल्यूम–6, अंक–4, जुलाई 2020, आईएसएसएनः 24549150।
22. बी. राज, वी. यू. (2020)। भारत में वित्तीय समावेशन में तेजी लाने में फिनटेक की भूमिका, सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क, https://doi.org/10.2139/ssrn.3591018.
23. विनय कांडपाल, रजत मेहरोत्रा (2019)। वित्तीय समावेशनः भारत में फिनटेक और डिजिटल वित्तीय सेवाओं की भूमिका, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस, वाल्यूम–19, अंक–1 (2019)ः 85–93।
24. पी. कृष्णा प्रिया, के.ए. (2019)। भारत में फिनटेक मुद्दे और चुनौतियाँ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (आईजेआरटीई)। http://www.doi.org/10.35940/ijrte.C4087.098319.
25. सनमथ, ए. (2018)। फिनटेक बैंकिंगः डिजिटल बैंकिंग में क्रांतिकारी बदलाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रेंड इन साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट। https://doi.org/10.31142/ijtsrd18699.

*****

आलेख उद्धरित करें:	लखन, राम एवं मधुसूदन, डॉ. गजेन्द्र सिंह (2025)। वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में फिनटेक की भूमिका का अध्ययन (चित्रकूट जिले के विशेष संदर्भ में), बुंदेलखंड जर्नल ऑफ अकादमिक रिसर्च (बीजेएआर), वाल्यूम-1, अंक-1, जुलाई-सितंबर 2025, पृष्ठ 36-46।